मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

MTT–055

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (संशोधित)

(पी.जी.डी.टी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.टी.टी.-055 : अनुवाद : साहित्य और जनसंचार

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रश्न संख्या **1** से **6** तक किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग **500** शब्दों में दीजिए। प्रश्न संख्या **7** तथा **8** अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख दिए गए हैं।*

---

1. सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की विभिन्न पद्धतियों का विवेचन कीजिए। 15

2. नाटक के अनुवाद के संदर्भ में संवादों के अनुवाद की चुनौतियों की सोदाहरण चर्चा कीजिए। 15

3. "तुलनात्मक साहित्य के विकास में अनुवाद की महती भूमिका है।" विचार कीजिए। 15

4. 'दृश्य-श्रव्य माध्यम और अनुवाद' पर विस्तृत लेख लिखिए। 15

5. सबटाइटलिंग का अर्थ बताते हुए सबटाइटलिंग के महत्त्व और उसकी सीमाओं की चर्चा कीजिए। 15

6. सामुदायिक मीडिया क्या है ? सामुदायिक मीडिया में अनुवाद की उपयोगिता का वर्णन कीजिए। 15

7. निम्नलिखित में से किसी **एक** अनुच्छेद का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 20

Towards mid-day the three pursuers came abruptly round a bend in the dry river bed into a very broad, spacious valley. The difficult and

winding trench of pebbles along which they had tracked the fugitives for so long, expanded to a broad slope. Together the three men left the trail, and rode up to stop on a small hill, the two others a little behind the man with the silver-studded bridle.

The scanned the great expanse below them with eager eyes. It spread far, with only a few clusters of thorn bushes dotted through the desolation of yellow grass in the now waterless river bed. In the distance lay the bluish slopes of the further hills and above them invisibly supported, and seeming indeed to hang in the blue, were the snowclad mountaintops that grew larger and bolder as the sides of the valley drew together. But the three men looked only steadfastly across the valley.

The gaunt man with the scarred lip, was the first to speak. ‘Nowhere’, he said, with disappointment in his voice.

अथवा

The 2023 edition of IPL gets underway from tomorrow when defending champions Gujarat Titans take on four-times champions Chennai Super Kings. The 2023 edition will be a mix of the old and the new, returning to the home-and-away format across 70 matches in the first phase, with four knockouts to follow.

There are also host of new rules for the 2023 season. For the first time, IPL sides will be allowed to make a tactical substitution with an and 'Impact Player' coming in to bat or bowl as needed. This will give teams a chance to bring in a substitute player at any time during the game. Any Indian player can act as an impact player, while an overseas player can only be used in the role if the team hasn't used the full quota in the starting XI. As a standard rule, IPL teams can contain a maximum of four overseas players in its starting line-up.

For this purpose, the rules around the coin toss have been changed. Captains can now confirm a starting line-up after the toss, instead of before, depending on if they're batting or bowling first. Not everyone is convinced it's the best way forward.

8. निम्नलिखित में से किसी **एक** अनुच्छेद का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : 20

बीच की तीन पगडंडियों को पार करके बानो आती थी। आते ही पूछती थी, कुछ पता चला ? मेरा मन झूठ बोलने के लिए मचल उठता। सोचता, कह दूँ "हाँ, पता चल गया.... हम दिल्ली जा रहे हैं।" लेकिन बानो झूठ ताड़ जाएगी, इसलिए आँखें मूँदे रहता। बानो मेरे माथे पर हाथ रखती। जब उसका हाथ ठंडा लगता, मैं जान जाता कि अभी बुखार है, जब गरम लगता तो मन उल्लसित हो उठता। आँखें खोलकर पूछता—"कैसा लगता है बाना?" और बानो निराशा भरे स्वर में कहती, 'अभी तो कम है, लेकिन शाम तक जरूर चढ़ जाएगा।' बानो समझती थी कि जब तक बुखार रहेगा, हम उसके संग शिमला में ही रहेंगे—बुखार उतरने लगता, तो उसे निराशा होती। जब कभी बानो की आहट मिल जाती मैं जान-बूझकर पास रखे ठंडे पानी से अपना माथा रगड़

लेता। जब वह आती तो उसका हाथ अपने माथे पर रखकर पूछता, "देख तो बानो, कितना ठंडा है ! बानो गुमसुम सी खिड़की के बाहर देखती रहती।

खिड़की के बाहर नीले जंगल हैं, ऊँची-ऊँची पहाड़ियाँ हैं, पेड़ों के घने झुरमुट हैं। जब हवा का झोंका परदे को डुलाता हुआ भीतर आता है, दूर-दिगन्त की एक स्वप्निल-सी खुशबू कमरे में बिखर जाती है।

"इन पहाड़ों के पीछे दिल्ली है, है न बानो?" मैं पूछता हूँ। बानो ने चुपचाप सिर हिला दिया। उसे दिल्ली की बातों में कोई दिलचस्पी नहीं थी। कभी-कभी मुझ उस पर काफी तरस आता—उस बेचारी ने अब तक दिल्ली नहीं देखी थी। उसके बाबा का दफ्तर बारहों महीने शिमला में रहता था।

अथवा

विंडीज के खिलाफ टीम इंडिया भले ही टी-20 सीरीज हार गई मगर उसने एक अहम खिलाड़ी की खोज भी

कर ली है। इनका नाम है तिलक वर्मा। वनडे में लंबे समय तक परेशानी का सबब बनी नंबर चार की पहेली को तिलक सुलझा सकते हैं।

वनडे एशिया कप और विश्व कप से पहले खिलाड़ियों को आजमाने का यह अंतिम मौका था। यही कारण था कि कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली ने वनडे सीरीज में बल्लेबाजी नहीं की। विश्व कप के लिए दल का ऐलान करने में अभी 16 दिन का समय बचा है।

नंबर चार के लिए टीम इंडिया के पास कम से कम सात विकल्प हैं। इनमें श्रेयस अय्यर, के. एल. राहुल, सूर्यकुमार यादव, संजू सैमसन, ईशान किशन और शुभमान गिल और अब तिलक वर्मा का नाम भी जुड़ गया है। श्रयस और के. एल. के खेलने को लेकर अभी स्थिति साफ नहीं है। ऐसे में तिलक मध्यक्रम के दमदार विकल्प के रूप में उभरे हैं।

वर्ष 2019 से 13 खिलाड़ियों के नंबर चार स्थान पर आजमाया जा चुका है। कप्तान रोहित शर्मा ने पिछले हफ्ते देश वापस लौटने पर टीम इंडिया के नंबर चार को लेकर चिंता भी जताई थी। 2011 के विश्व कप में विराट ने यह भूमिका निभाई थी। इसके बाद 2015 में अजिंक्य रहाणे और 2019 के विश्व कप में विजय शंकर को लाया गया था। शंकर के चोटिल होने पर पंत को शामिल किया गया। फिलहाल वह भी चोटिल हैं। अब 20 वर्षीय तिलक ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी–20 सीरीज में स्वप्निल पदार्पण किया है। उनकी पहली चार पारियों में एक अर्धशतक था जबकि दो बार वे नाबाद रहे थे। तिलक ने अपनी उम्र से ज्यादा परिपक्वता दिखाई है हालांकि उन्हें अभी वनडे में पदार्पण करना है।